परात्पर गुरु डॉ. आठवलेजी द्वारा संकल्पित

अध्यात्म विश्वविद्यालय

(संक्षिप्त कार्यपरिचय एवं विशेषताएं)

भूमिका

प्राचीन कालसे लेकर कुछ सहस्र वर्ष पूर्वतक भारत देश 'विश्वविद्यालयोंका नन्दनवन'के रूपमें परिचित था । उस कालमें ऋषि-मुनियोंके आश्रमोंमें तथा आगे तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयोंमें वेद, शास्त्र, विद्या, कला, धर्म, तत्त्वज्ञान आदिके अध्यापनसे हिन्दू धर्म एवं संस्कृति का व्यापक प्रसार हो रहा था । मुसलमान, अंग्रेज जैसे विदेशी विध्वंसकोंके निरन्तर आक्रमणोंसे मन्द पड गई इस धर्मज्ञानकी ज्योतिको पुनः प्रज्वलित करने हेतु 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'का निर्माण हो रहा है । 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'से केवल साधकोंकी आध्यात्मिक प्रगति करना, इतना ही आध्यात्मिक कार्य अभिप्रेत नहीं होगा, राष्ट्ररक्षा हेतु आवश्यक आध्यात्मिक कार्य भी किया जाएगा । यह कार्य साधारणतः निम्न प्रकारका होगा ।

१. ईश्वरप्राप्तिकी शिक्षा देना : आज भारतमें ही नहीं, अपितु विश्वके सैकडों विश्वविद्यालयोंमें भौतिकवादपर आधारित शिक्षा दी जाती है । सर्वव्यापी अध्यात्मशास्त्रकी, तथा ईश्वरप्राप्तिकी दृष्टिसे शिक्षा प्रदान करनेवाली एक भी शिक्षासंस्था आज नहीं है । यह न्यूनता इस 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'के माध्यमसे दूर करनेका प्रयास है ।

२. ब्राह्मतेजके साथ ही क्षात्रतेजकी उपासना भी सिखाना : अरब, अंग्रेज, पुर्तगाली इत्यादि विदेशियोंने आक्रमण कर हिन्दुस्थानकी इस पावन भूमि तथा हिन्दुओंको विदीर्ण किया । इस इतिहासकी पुनरावृत्ति न हो, इस उद्देश्यसे 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'में ब्राह्मतेजके साथ ही क्षात्रतेजकी उपासना भी सिखाई जाएगी । इसके लिए धर्म, अध्यात्म, साधना इत्यादिके विषयमें शिक्षा देकर ब्राह्मतेज बढाया जाएगा, साथ ही धर्माभिमान, राष्ट्रभक्ति,

वीरवृत्ति इत्यादि बढानेकी शिक्षा देकर क्षात्रतेज भी बढाया जाएगा ।

३. 'हिन्दू राष्ट्र'को आध्यात्मिक बल प्रदान करना : वर्तमान स्थितिमें भारत देश आतंकवाद, भ्रष्टाचार, अनारोग्य, कुपोषण, भ्रूणहत्या, जातिवाद, दंगे, राजनीतिका अपराधीकरण, गोहत्या, धर्मांतरण जैसे अनेक संकटोंका सामना कर रहा है । इन सब संकटोंका एकमात्र उपाय है, धर्मनिरपेक्ष राज्य-व्यवस्थाका त्याग कर, रामराज्यकी अनुभूति करानेवाले धर्माधिष्ठित 'हिन्दू राष्ट्र'की स्थापना करना । ईश्वरीय कृपा, सन्तोंके संकल्परूपी आशीर्वाद, साथ ही हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्तों के अथक प्रयासोंसे वर्ष २०२३ से २०२५ की कालावधिमें 'हिन्दू राष्ट्र'की स्थापना होगी । जब राजसत्ताको धर्मसत्ताका बल मिले, तभी राजसत्ता टिकी रहती है । 'हिन्दू राष्ट्र' सहस्रों वर्षोंतक बना रहे, इसके लिए धर्मसत्ताके लिए पूरक, सन्त एवं साधकों का आध्यात्मिक बल प्रदान करनेका कार्य 'अध्यात्म विश्वविद्यालय' करेगा ।

इस प्रकारका अनमोल तथा अद्वितीय कार्य करनेको संकल्पित अध्यात्म विश्वविद्यालयका कार्य-परिचय तथा विशेषता बताना, यह इस ग्रन्थके प्रकाशनका एकमात्र उद्देश्य है । यह ग्रन्थ पढकर 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'के निर्माणमें योगदान देने अथवा उसमें साधनाकी शिक्षा पानेकी प्रेरणा मिले, तो कह सकते हैं कि इस ग्रन्थका प्रयोजन सफल हुआ ।

ऋषि-मुनियोंके कारण मानवजातिको ज्ञान प्राप्त हुआ है । इसके लिए उनके चरणोंमें कृतज्ञता व्यक्त करता हूं । मेरे गुरु प.पू. भक्तराज महाराजद्वारा मुझे बताई गई 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'की संकल्पना शीघ्राति शीघ्र साकार हो, यही उनके और भगवान श्रीकृष्णके चरणोंमें प्रार्थना है ! – **संकलनकर्ता**

हिन्दू संस्कार एवं परम्पराओंसम्बन्धी ग्रन्थ

- त्योहार मनानेकी उचित पद्धतियां एवं अध्यात्मशास्त्र
- धार्मिक उत्सव एवं व्रतोंका अध्यात्मशास्त्रीय आधार

अनुक्रमणिका

(कुछ वैशिष्ट्यपूर्ण सूत्र [मुद्दे] '*' चिह्नसे दर्शाए हैं ।)

卐 संकलनकर्ताओंका वैज्ञानिक दृष्टिकोण ८

卐 प्रस्तुत ग्रंथके मुखपृष्ठपर प्रकाशित चित्रकी संकल्पनासंबंधी ज्ञान ११

卐 प्रस्तुत ग्रन्थसम्बन्धी अनुभूत सूक्ष्म-स्तरीय विशेषताएं १२

卐 भूमिका १३

१. कार्य तथा उद्देश्य १५

* साधकोंकी आध्यात्मिक उन्नति एवं विश्वमें धर्मका प्रसार १५

२. 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'की आवश्यकता २२

३. 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'का महत्त्व २२

४. 'अध्यात्म विश्वविद्यालय' एवं प.पू. डॉ. जयंत आठवले २४

५. अध्यात्म विश्वविद्यालयके विषयमें साधकोंको स्फुरित अद्वितीय ज्ञान ! ३१

६. शिक्षाके विषय ४४

* सर्व योगमार्गोंकी शिक्षा ४४

* साधनाके दृष्टिकोणसे १४ विद्याओं एवं ६४ कलाओं की शिक्षा ४४

* समाज एवं राष्ट्र हेतु उपयुक्त विषयोंकी शिक्षा ४९

७. शिक्षाकी विशेषताएं ५०

* विद्यार्थियोंके लिए प्रकृतिके अनुसार साधनामार्ग होगा ! ५१

* प्रत्येक विषयका अध्यात्मीकरण करना ५१

* कलाका अध्ययन करते-करते स्वयंमें भी सात्त्विकता बढाना ५१

* जन्म-मृत्युके चक्रसे मुक्त होने हेतु मार्गदर्शन ! ५४

* प्रवेश निःशुल्क * आयुका बन्धन नहीं ५५

८. शिक्षकोंकी विशेषताएं ५८

९. धर्मग्रन्थ, तथा सन्तोंकी ग्रन्थसम्पदापर आधारित पाठ्यक्रम ५९

१०. विविध स्तरानुसार 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'की पाठ्यपुस्तकें ५९

११. परीक्षाएं एवं पदवियां ६९

१२. सामान्य विश्वविद्यालय एवं 'अध्यात्म विश्वविद्यालय' ७३

१३. अध्यात्म विश्वविद्यालयके विविध विभाग ७५

१४. अनुसन्धान विभाग (Research Division) ७७

* विश्वका स्थूल ज्ञान शोधद्वारा मिलता हो, तब भी उसका सूक्ष्म ज्ञान होने हेतु आध्यात्मिक प्रगति आवश्यक ! ७७

१५. अद्वितीय आध्यात्मिक संग्रहालय ७९

१६. 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'के निर्माण हेतु सहायताकी विनती ! ८०

卐 परिशिष्ट १ : 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'द्वारा वैज्ञानिक उपकरणोंके माध्यमसे किए शोधकी सूची ८२

卐 परिशिष्ट २ : 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'द्वारा वैज्ञानिक उपकरणोंसे किए ऐसे परीक्षण, जिनका ब्यौरा अबतक नहीं बना ८५

卐 परिशिष्ट ३ : मानवजातिके कल्याण हेतु बुद्धि-अगम्य घटनाओंपर शोधकी आवश्यकता एवं उसमें सहायताके लिए वैज्ञानिकोंको आवाहन ! ९०

卐 परिशिष्ट ४ : 'अध्यात्म विश्वविद्यालय'के आध्यात्मिक संग्रहालय हेतु संगृहीत वस्तुओंकी सूची ९६

卐 परिशिष्ट ५ : सनातनकी अनमोल ग्रन्थसम्पदा १०४